About the Book

यह पुस्तक कक्षा 6 की सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है। यह संपूर्ण पाठ्यक्रमानुसार हिंदी (Hindi) की एक उपयोगी पाठ्यपुस्तक है, जो छात्रों को मजबूत कॉन्सेप्ट क्लियरिटी, अभ्यास और परीक्षा-उन्मुख तैयारी प्रदान करती है। सैनिक स्कूल, राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल, सिमुलतला एवं नेतरहाट आवासीय विद्यालय, विद्याज्ञान, सेंट्रल हिन्दू स्कूल, अटल आवासीय विद्यालय एवं अन्य प्रमुख स्कूलों के सिलेबस को ध्यान में रखते हुए यह पुस्तक तैयार की गई है, जिससे एक ही पुस्तक से सम्पूर्ण तैयारी संभव हो सके।

पुस्तक की मुख्य विशेषताएँ:

- यह पुस्तक नवीनतम स्कूल प्रवेश परीक्षा सिलेबस के अनुसार पूर्णतः संशोधित एवं अपडेटेड संस्करण है।
- हिंदी विषय के सभी महत्वपूर्ण टॉपिक्स का अध्यायवार एवं सरल भाषा में विस्तृत कवरेज दिया गया है, जिससे विद्यार्थी आसानी से हर टॉपिक समझ सकें।
- विभिन्न स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पैटर्न को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश किया गया है, जो परीक्षा के स्तर को समझने में मदद करते हैं।
- 1600+ अभ्यास प्रश्न शामिल हैं, जो छात्रों की प्रैक्टिस को मजबूत करते हैं और परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने में सहायक होते हैं।
- पुस्तक में बार-बार पूछे जाने वाले महत्वपूर्ण टॉपिक्स पर विशेष फोकस किया गया है, जिससे स्मार्ट तैयारी संभव हो पाती है।
- यह पुस्तक थ्योरी + अभ्यास प्रश्नों का संतुलित संयोजन है, जो रिवीजन को आसान बनाती है और आत्मविश्वास बढ़ाती है।
- पिछले वर्षों में पूछे गए महत्वपूर्ण एवं चयनित प्रश्नों को अध्यायवार शामिल किया गया है।

संपूर्ण पाठ्यक्रमानुसार तैयार यह हिंदी पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को सही दिशा में तैयारी करने, भाषा ज्ञान को मजबूत बनाने और कक्षा 6 की सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होती है।

अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकें

Buy books at great discounts on: www.examcart.in | www.amazon.in/examcart |

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Faega!
CB2322

हिंदी कक्षा 6
सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक
ISBN - 978-93-7516-651-1
9 789375 166511
₹ 199

हिंदी कक्षा 6 सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक

CB2322

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Faega!

हिंदी

कक्षा 6

की सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के लिए

सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक

सैनिक स्कूल, राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल, सिमुलतला एवं नेतरहाट आवासीय विद्यालय, विद्याज्ञान, सेंट्रल हिन्दू स्कूल, अटल आवासीय विद्यालय, इंदिरा गाँधी स्कूल के पाठ्यक्रमों का समावेश

New & Updated Book!

तैयारी हुई आसान !
सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के लिए केवल एक पुस्तक!

- **सम्पूर्ण थ्योरी**
  सभी परीक्षाओं के पाठ्यक्रमों का समावेश
- **1600+ अभ्यास प्रश्न**
  सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं से चयनित सभी बेहतरीन प्रश्नों का अध्यायवार समावेश

Code	Price	Pages	ISBN
CB2322	₹199	188	978-93-7516-651-1

विषय सूची

➔ महत्वपूर्ण सूचना (Important Information) vii

(स्कूल प्रवेश परीक्षा की सम्पूर्ण जानकारी एवं पुस्तक या किसी भी समस्या के लिए हमारा Helpline No.)

हिंदी

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम	अध्याय का विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	अपठित गद्यांश	**विगत पेपर्स से चयनित : 195 प्रश्न**	1-14
2.	अपठित पद्यांश	**विगत पेपर्स से चयनित : 51 प्रश्न**	15-17
3.	भाषा, लिपि एवं व्याकरण	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 25 प्रश्न**	18-19
4.	वर्ण–विचार	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 47 प्रश्न**	20-22
5.	शब्द–विचार	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 65 प्रश्न**	23-26
6.	वर्तनी शुद्धि	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 51 प्रश्न**	27-29
7.	संज्ञा के भेदों की पहचान	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 46 प्रश्न**	30-32
8.	लिंग, वचन, कारक एवं काल	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 69 प्रश्न**	33-39
9.	सर्वनाम की पहचान	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 50 प्रश्न**	40-43

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम	अध्याय का विवरण	पृष्ठ संख्या
10.	विशेषण की पहचान	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 50 प्रश्न**	44-47
11.	क्रिया	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 44 प्रश्न**	48-50
12.	क्रिया–विशेषण की पहचान	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 24 प्रश्न**	51-52
13.	वाक्य रचना	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 49 प्रश्न**	53-56
14.	उपसर्ग–प्रत्यय	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 53 प्रश्न**	57-60
15.	संधि-विच्छेद	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 45 प्रश्न**	61-66
16.	समास-विग्रह	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 47 प्रश्न**	67-70
17.	श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 51 प्रश्न**	71-74
18.	वाच्य परिवर्तन	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 41 प्रश्न**	75-78
19.	विराम चिह्न	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 29 प्रश्न**	79-81

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम	अध्याय का विवरण	पृष्ठ संख्या
20.	अनेकार्थी शब्द	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 25 प्रश्न**	**82-83**
21.	विलोम शब्द	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 85 प्रश्न**	**84-88**
22.	पर्यायवाची शब्द	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 75 प्रश्न**	**89-92**
23.	वाक्यांश के लिए एक शब्द	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 100 प्रश्न**	**93-96**
24.	मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 62 प्रश्न**	**97-101**
25.	वाक्य क्रमबद्धता	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 27 प्रश्न**	**102-104**
26.	रिक्त स्थानों की पूर्ति	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 61 प्रश्न**	**105-107**
27.	अशुद्धि शोधन वाक्य	**थ्योरी :** सभी स्कूल प्रवेश परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी। **विगत पेपर्स से चयनित : 56 प्रश्न**	**108-112**
28.	विविधः पाठ्य-पुस्तक, गद्य-पद्य रचनाएँ एवं रचनाकार आदि	**विगत पेपर्स से चयनित : 100 प्रश्न**	**113-116**
		कुल प्रश्न संख्या – 1623	

व्याख्यात्मक हल

➢ **अध्याय 1 से 28 तक के सभी प्रश्नों के व्याख्यात्मक हल** **1-64**

अतिरिक्त अध्ययन सामग्री ई-बुक
(Extra Study Material E-Book)

Extra Study Material ई-बुक का Content

- 5 सॉल्व्ड पेपर्स अखिल भारतीय सैनिक स्कूल-2025-26। जवाहर नवोदय विद्यालय-2025। सिमुलतला आवासीय विद्यालय-2025
- डिस्काउंट कूपन दिया गया है। उसका उपयोग करें और 'www.examcart.in' से हमारी किताबें सबसे अच्छे डिस्काउंट पर खरीदें।

नोट : Link Expire होने से पहले दिए गए **QR Code** को स्कैन करके आप यह **Extra Study Material E-Book** को Download कर लें।

ऐसी पुस्तकें जो कोई आपको बताना नहीं चाहता!

इन अनोखी पुस्तकों ने कई छात्रों को उनके पहले प्रयास में ही परीक्षा पास करने में मदद की है और हम जो कहते हैं, उसे साबित भी करते हैं—इसीलिए हर पुस्तक के कुछ सैंपल चैप्टर दिए गए हैं। हम गारंटी देते हैं कि इन्हें पढ़ने के बाद आपको समझ आएगा कि ये पुस्तकें क्यों सबसे बेहतरीन हैं और क्यों इतने सारे छात्र इनसे सफल हुए हैं।

नोट

पढ़ने के लिए, किसी भी पुस्तक के पास दिए गए **QR Code** को स्कैन करें, उसके वेबसाइट पेज पर **"View PDF"** पर क्लिक करें। अगर पुस्तक पसंद आए, तो **Extra Study Material** ई-बुक में दिया गया डिस्काउंट कूपन इस्तेमाल करें और बेहतरीन डिस्काउंट भी पाएँ!

सामान्य ज्ञान (Textbook)

गणित (Textbook)

तर्कशक्ति (Textbook)

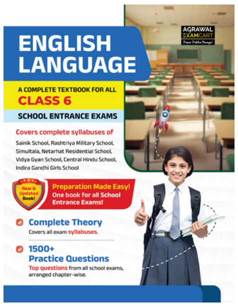

English (Textbook)

ABHYAAS

Mock Test Papers Series For Class 6th Entrance

1 अध्याय
अपठित गद्यांश

महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न

निर्देश (प्रश्न संख्या 1 से 195 तक)

दिए गए अनुच्छेदों को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(1)

अल्पज्ञता भी बड़ी खतरनाक स्थिति है। एक बार एक महात्मा जी अपने कुछ शिष्यों के साथ जंगल में आश्रम बनाकर रहते थे। एक दिन कहीं से एक बिल्ली का बच्चा रास्ता भटककर आश्रम में आ गया। महात्मा जी ने उस भूखे-प्यासे बिल्ली के बच्चे को कुछ अन्न और दूध दिया। वह बच्चा वहीं आश्रम में रहकर पलने लगा, लेकिन उसके आने के बाद महात्मा जी को एक समस्या उत्पन्न हो गई कि जब वे सायं ध्यान में वैठते, तो वह बच्चा कभी उनकी गोद में चढ़ जाता, कभी कन्धे पर या सिर पर बैठ जाता, तब महात्मा जी ने अपने एक शिष्य को बुलाकर कहा, देखो मैं जब सायं ध्यान पर बैठूँ, उससे पूर्व तुम इस बच्चे को दूर एक पेड़ से बाँध आया करो। अब तो यह नियम हो गया, महात्मा जी के ध्यान पर बैठने से पूर्व वह बिल्ली का बच्चा पेड़ से बाँधा जाने लगा।

एक दिन महात्मा जी की मृत्यु हो गई, तो उनका एक सुविज्ञ शिष्य उनकी गद्दी पर बैठा। वह भी जब ध्यान पर बैठता, तो उससे पूर्व बिल्ली का बच्चा पेड़ से बाँधा जाता। एक दिन तो अनर्थ हो गया, बहुत बड़ी समस्या आ खड़ी हुई कि बिल्ली ही मर गई। सारे शिष्यों की सभा हुई, सबने विचार-विमर्श किया कि बड़े महात्मा जी जब तक बिल्ली पेड़ से न बाँधी जाए, तब तक ध्यान पर नहीं बैठते थे। अतः पास के गाँव से कहीं से भी एक अन्य बिल्ली लाई जाए। आखिरकार, बहुत ढूँढ़ने के बाद एक बिल्ली मिली, जिसे पेड़ से बाँधने के बाद महात्मा जी ध्यान पर बैठे। विश्वास मानें, उसके बाद जाने कितनी बिल्लियाँ मर चुकीं और न जाने कितने महात्मा जी मर चुके, लेकिन आज भी जब तक पेड़ से बिल्ली न बाँधी जाए, तब तक महात्मा जी ध्यान पर नहीं बैठते हैं। कभी उनसे पूछो तो कहते हैं, यह तो परम्परा है। हमारे पूर्व भी सभी गुरुजी यही करते रहे हैं, वे सब गलत तो नहीं हो सकते। कुछ भी हो जाए, हम अपनी परम्परा नहीं छोड़ सकते।

यह तो हुई, उन महात्मा जी और उनके शिष्यों की बात। पर कहीं न कहीं हम सबने भी एक नहीं; अनेकों ऐसी बिल्लियाँ पाल रखी हैं। कभी गौर किया है इन बिल्लियों पर सैकड़ों वर्षों से, हम सब ऐसे ही और कुछ अनजाने में तथा कुछ स्वार्थी तत्वों द्वारा निर्मित परम्पराओं के जाल में जकड़ कर कूपमण्डूक बने हुए हैं।

1. उपरोक्त गद्यांश से हमें सन्देश मिल रहा है कि—
(A) हमें विपत्तियों के प्रति दया दिखानी चाहिए।
(B) हमें गलत परम्पराओं को त्याग देना चाहिए।
(C) हमें परम्पराओं को कभी नहीं छोड़ना चाहिए।
(D) हमें महात्मा जी की तरह महान बनना चाहिए।

2. गद्यांश को ध्यान से पढ़कर निम्नलिखित कथनों के सही क्रम वाले विकल्प का चुनाव कीजिए।
I. कुछ भी हो जाए हम अपनी परम्परा नहीं छोड़ सकते।
II. महात्मा जी के ध्यान पर बैठने से पूर्व वह बिल्ली का बच्चा पेड़ से बाँधा जाने लगा।
III. बिल्ली का बच्चा रास्ता भटक कर आश्रम में आ गया।
IV. महात्मा जी की मृत्यु के बाद उनका एक प्रिय और योग्य शिष्य उनकी गद्दी पर बैठा।

कूट :
(A) I, II, III और IV (B) II, III, IV और I
(C) III, II, IV और I (D) IV, I, III और II

3. 'जिसका ज्ञान सीमित हो' शब्दों के लिए उस उचित विकल्प को चुनिए, जो इस गद्यांश में दिया गया है—
(A) अनजान (B) अल्पज्ञ
(C) कूपमण्डूक (D) सुविज्ञ

4. गद्यांश में दो शब्द 'अन्न' और 'अन्य' दिए गए हैं, जो सुनने में समान हैं, परन्तु इनके अर्थ अलग हैं। इन दोनों शब्दों के सटीक अर्थ वाला विकल्प है—
(A) 'अनाज' और 'बेकार' (B) 'कोई दूसरा' और 'बेकार'
(C) 'पशु' और 'बिल्ली' (D) 'अनाज' और 'कोई और'

5. "महात्मा जी की मृत्यु हो गई, तो उनका एक योग्य शिष्य उनकी गद्दी पर बैठा" —वाक्य में विशेषण शब्द है—
(A) शिष्य (B) मृत्यु (C) योग्य (D) गद्दी

(2)

लन्दन बम धमाकों की जिज्ञासा की गूंज भारतीय लोक नाटकों में सुनाई दी। बम धमाकों के एक महीने बाद जिसमें पचास से ज्यादा लोग मारे गए थे, उस पर पूर्वी भारत के कोलकाता शहर में नाट्य प्रस्तुति की तैयारी चल रही थी। इस नाटक दल ने पूरे हिन्दुस्तान से कारीगर बुलाए हैं ताकि लन्दन की अहम जगहों और रेलगाड़ियों को मंच पर दिखाया जा सके। प्रधानमन्त्री टोनी ब्लेयर की भूमिका के लिए पार्थ सारथी को चुना गया है। नाटक का सन्देश होगा कि आतंकवाद से कोई लाभ नहीं है। साथ ही जात्रा में लन्दन की आबादी और उसकी संस्कृति को दिखाया जाएगा। जात्रा नामक यह लोक नाट्य परम्परा जिसे गाँव और शहरों में घूम–धूमकर दिखाया जाता है, एक बेहद लोकप्रिय परम्परा है।

6. अनुच्छेद में 'जोरदार आवाज' के लिए उपयुक्त शब्द है—
(A) गूंज (B) जात्रा (C) धमाका (D) जिज्ञासा

7. कोलकाता शहर में किस विषय पर नाट्य प्रस्तुति की तैयारी चल रही है?

(A) पूर्वी भारत (B) लन्दन में हुए बम धमाके

(C) भारतीय लोक नाटक (D) रेलगाड़ी

8. इस अनुच्छेद के आधार पर 'जात्रा' का अर्थ होगा—

(A) यात्रा (B) एक लोक नाट्य परम्परा

(C) लन्दन की आबादी (D) लोकप्रिय

9. नाटक का सन्देश होगा—

(A) लन्दन की अहम जगहों के बारे में बताना

(B) जात्रा का प्रचार करना

(C) आतंकवाद से कोई लाभ नहीं

(D) इनमें में से कोई नहीं

10. 'जो लोगों को पसन्द आए' के लिए अनुच्छेद में प्रयुक्त शब्द चुनिए—

(A) जिज्ञासा (B) लोकप्रिय (C) प्रस्तुति (D) परम्परा

(3)

निरंतर श्रम करने से शरीर स्वस्थ रहता है। समाज में जीवंतता बनी रहती है। यदि श्रम करना छोड़ दिया जाए तो समाज गतिशून्य हो जाए। श्रम की सार्थकता के बारे में महात्मा गाँधी ने कहा था– जब श्रम करना है तो उत्पादक श्रम ही क्यों न किया जाए। गाँधी जी के उत्पादक श्रम का तात्पर्य यह है कि श्रम से कुछ चीज की प्राप्ति हो, चाहे यश हो, चाहे प्रगति हो। इससे श्रम करने में आनंद आएगा। श्रम के प्रति निष्ठा और सम्मान की भावना हमारी सहज प्रवृत्ति होनी चाहिए। वस्तुतः हमारे विकास का, हमारी उन्नति का मूलमंत्र है– श्रम। सफलता का मूलमंत्र और प्रगति की सीढ़ी परिश्रम से ही प्राप्त होती है। परिश्रम, साहस और कर्म का चोली-दामन का साथ है। जो मनुष्य परिश्रम करता है, वह साहसी भी होता है।

11. स्वस्थ शरीर के लिए क्या आवश्यक है ?

(A) कसरत करना (B) निरंतर श्रम

(C) जीवंतता (D) प्रगति

12. परिश्रम, साहस और कर्म का चोली-दामन का संबंध कैसे है ?

(A) परिश्रमी और साहसी लोगों को पसंद किया जाता है।

(B) साहसी कर्मयोगी होते हैं।

(C) जो मनुष्य कर्म करता है वह साहसी भी होता है।

(D) परिश्रम, साहस एक-दूसरे के पूरक नहीं है।

13. गाँधी जी ने श्रम की सार्थकता किससे मानी है?

(A) परिश्रम करने से (B) सम्मान की भावना से

(C) श्रम के प्रति निष्ठा से (D) उत्पादक श्रम से

14. सार्थकता शब्द का विलोम शब्द है—

(A) सफलता (B) प्रासंगिकता

(C) निरर्थकता (D) उपयोगिता

15. श्रम करने में आनंद कब आएगा?

(A) जब हम स्वस्थ होंगे

(B) समाज में गतिशून्यता नहीं होगी

(C) जब मन में सम्मान की भावना होगी

(D) जब श्रम से कुछ चीज की प्राप्ति होगी

(4)

हर युग अपने अगले या पिछले युग से कई मामलों में अलग होता है, लेकिन हर पीढ़ी के लोग केवल अपने ही युग को उत्कृष्ट बताते हैं। आपने भी प्रायः अपने अभिभावकों, अध्यापकों या पुरानी पीढ़ी के लोगों को यह कहते सुना होगा कि उनका जमाना आज से बेहतर था। शायद उनका कहना ठीक भी है। आज का युग बड़ा ही जटिल युग है और इस युग में सभी को अतिरिक्त सावधानी के साथ रहना चाहिए।

विद्यार्थी जीवन कई प्रकार की चुनौतियों से भरा होता है। एक अच्छे विद्यार्थी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अपना प्रत्येक कार्य समय से एवं ईमानदारी से करे। उसे महान लोगों के संघर्षपूर्ण जीवन से प्रेरणा तो लेनी ही चाहिए साथ ही साथ स्वयं के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सकारात्मक चिन्तन कौशल को भी अपनाना चाहिए। आपने कई ऐसे विद्यार्थियों को देखा होगा जो न स्वयं पढ़ाई करते हैं और न दूसरों को पढ़ने देते हैं। दूसरों के भरोसे रहने वाले को ही परजीवी कहते हैं। ऐसे विद्यार्थियों से सदा दूर रहना चाहिए। जब भी आप कोई गलत कार्य करें, तो एक बार अपने माता-पिता और गुरुजनों के चेहरे को अवश्य याद करें और यह सोचें कि क्या आपके इस कार्य से उन्हें सुख प्राप्त होगा? यदि नहीं, तो आप गलत कार्य कभी न करने का संकल्प लें। स्वयं से लिया गया संकल्प कभी भी आपके कर्तव्य के मार्ग से भटकने नहीं देगा। सदैव याद रखें कि एक सत्यवादी, परोपकारी और कर्तव्यनिष्ठ विद्यार्थी ही श्रेष्ठ समाज और महान राष्ट्र का निर्माता होता है।

16. अच्छे विद्यार्थी में इनमें से कौन-सा गुण नहीं होता है?

(A) वह अपना प्रत्येक कार्य समय से पूर्ण करता है

(B) वह सदैव अच्छी संगत में रहता है

(C) वह केवल सुखपूर्ण जीवन की तलाश करता है

(D) वह कर्तव्य पथ से कभी नहीं हटता है

17. महान लोगों के जीवन से हमें क्या सीख मिलती है?

(A) जीवन संघर्ष की

(B) केवल माता-पिता की आज्ञा मानने की

(C) मार्ग से भटकने की

(D) बिना सोचे किसी को भी मित्र बना लेने की

18. 'पढ़ाई' शब्द में मूल शब्द और प्रत्यय का सही युग्म कौन-सा है?

(A) 'पढ़ा' और 'ई' (B) 'पढ़' और 'आई'

(C) 'प' और 'अढ़ाई' (D) 'पढ़' और 'ई'

19. दिए गए विकल्पों में से कौन-सा शब्द 'राष्ट्र' शब्द का पर्यायवाची नहीं है?

(A) देश (B) वतन (C) मुल्क (D) समाज

20. उपरोक्त गद्यांश में से वाक्यांश-'दूसरों का उपकार करने वाला' के लिए एक शब्द का चयन कीजिए।

(A) कर्तव्यनिष्ठ (B) ईमानदार

(C) परोपकारी (D) परजीवी

(5)

एक बार हम गाँव गए, जहाँ अनेक परिवार अपने बनाए हुए चिकनी मिट्टी के बर्तन बेच रहे थे। वहाँ हमें किसी परिवार के बनाए कृत्रिम फल और सब्जियों ने बहुत आकर्षित किया। हमने वहाँ ऐसे उत्तम आकारों और रंगों के बने सेब, संतरे और टमाटर देखे कि असली और उनमें अंतर करना मुश्किल था। प्रत्येक ने उनकी बहुत प्रशंसा की।

21. कुछ परिवारों ने चिकनी मिट्टी के _______ बनाए।

(A) मेज और कुर्सियाँ (B) फल और सब्जियाँ

(C) खिलौने और बर्तन (D) गुल्लक (पिगी बैंक) और गेंद

22. हम मुश्किल से ही _______ फलों और असली में अंतर कर सके।

(A) प्राकृतिक (B) कृत्रिम (C) मूल (D) यथार्थ

23. 'ऐसे' (such) शब्द _______ है।

(A) क्रिया (B) क्रिया–विशेषण

(C) विशेषण (D) समुच्चयबोधक

24. _______ 'भेद' का समानार्थी है।

(A) अंतर (B) मिश्रण (C) भ्रम (D) अशुद्धि

25. 'प्रत्येक' का वही अर्थ है, जो _______ का है।

(A) विशिष्ट (B) सटीक (C) हरेक (D) कुछ

(6)

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम भारत के ग्यारहवें (11वें) राष्ट्रपति थे। वे उच्च स्तर की बुद्धिमत्ता वाले महान व्यक्ति थे। उनका जन्म और पालन-पोषण रामेश्वरम, तमिलनाडु में हुआ था। उन्होंने भौतिकी का अध्ययन संेट जोसेफ्स कॉलेज, तिरुचिरापल्ली से और अंतरिक्ष अभियांत्रिकी का अध्ययन मद्रास प्रौद्योगिकी सं. स्थान (एम.आई.टी.) से किया। वे अपनी स्कूली शिक्षा में एक अच्छे विद्यार्थी थे। भारत के मिसाइल मैन के रूप में लोकप्रिय डॉ. कलाम अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत को एक उपलब्धि से दूसरी की ओर ले गये। भारत के मौलिक (प्रारंभिक) परमाणु परीक्षण के बाद 1998 में पोखरन II परमाणु परीक्षणों में उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें 1981 में पद्म भूषण और 1990 में पद्म विभूषण से पुरस्कृत किया गया। संयुक्त राष्ट्र ने डॉ. कलाम के 79वें जन्मदिवस को विश्व छात्र दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की।

26. रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन करें।

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम का जन्म _______ में हुआ था।

(A) चेन्नई (B) पोखरन

(C) तिरुचिरापल्ली (D) रामेश्वरम

27. गद्यांश के आधार पर गलत कथन का चयन कीजिए।

(A) डॉ. कलाम को भारत के मिसाइल मैन के रूप में जाना जाता है।

(B) डॉ. कलाम ने 1998 में भारत के परमाणु परीक्षणों में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

(C) डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम भारत के 11वें राष्ट्रपति थे।

(D) डॉ. कलाम ने 1991 में भारत रत्न प्राप्त किया।

28. सही विकल्प चुनें।

संयुक्त राष्ट्र ने डॉ. कलाम के 79वें जन्मदिवस को ______ के रूप में मान्यता प्रदान की।

(A) राष्ट्रीय छात्र दिवस (B) विश्व छात्र दिवस

(C) विश्व विज्ञान दिवस (D) राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

29. "डॉ. कलाम अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत को एक उपलब्धि से दूसरी की ओर ले गये।"

दिये गये वाक्य से 'प्रौद्योगिकी' के लिए शब्द भेद की पहचान करें।

(A) संज्ञा (B) क्रिया (C) विशेषण (D) सर्वनाम

30. दिये गये विकल्पों में से 'मान्यता देना' के लिए समानार्थक शब्द का चयन करें।

(A) परिचय देना (B) परिचित होना

(C) पहचान देना (D) जानना

(7)

दूध सबसे अच्छा भोजन है। इसमें पानी, चीनी, चर्बी (वसा), विटामिन और प्रोटीन होते हैं। लोग भिन्न-भिन्न पशुओं के दूध पीते हैं। इंग्लैंड और अनेक अन्य ठंडे देशों में गाय होती है। अरब और मध्य एशिया जैसे गर्म शुष्क स्थानों में ऊँट होते हैं। भारत में गाय और भैंस दोनों हैं। अनेक स्थानों पर बकरियाँ होती हैं। यदि लोग गाय और अन्य पशु रखते हैं, तो उनको बहुत दूध मिलता है। दूध से वे मक्खन और चीज बना सकते हैं। यह जरूरी है कि जिस दूध का हम उपयोग करते हैं, वह शुद्ध और विषाणु–मुक्त होना चाहिए। अशुद्ध दूध से मानव शरीर को लाभ की बजाय हानि अधिक होती है।

31. लोग ______ पशुओं का दूध पीते हैं।

(A) एक जैसे (B) भिन्न-भिन्न (C) समान (D) उसी तरह के

32. ______ स्थानों में ऊँट होते हैं।

(A) शीतल (B) जमे हुए (C) गर्म (D) ठंडे

33. यदि लोग गाय जैसे पशु रखते हैं, तो उन्हें ______ दूध मिलता है।

(A) बहुत कम (B) कम (C) थोड़ा (D) बहुत सारा

34. यह ______ है कि जिस दूध का हम उपयोग करते हैं, वह शुद्ध हो।

(A) आवश्यक (B) अनावश्यक

(C) अनपेक्षित (D) गैर–जरूरी

35. 'हानि' का अर्थ ______ के समान है।

(A) लाभ (B) मरम्मत (C) क्षति (D) स्थिर

(8)

वन प्रकृति का अनुपम उपहार हैं। इस अमूल्य संपदा के कोष को बनाए रखने की महती आवश्यकता है। पेड़-पौधे तथा मनुष्य एक-दूसरे के पोषक तथा संरक्षक हैं। जहाँ एक ओर पेड़-पौधे मनुष्य के संरक्षण में उगते हैं, वहीं दूसरी ओर मानव को भी आजीवन पेड़-पौधों पर आश्रित रहना पड़ता है। इन वृक्षों, पेड़-पौधों अथवा वनों से प्राकृतिक तथा पर्यावरण संतुलन बना रहता है। संतुलित वर्षा तथा प्रदूषण से बचाव के लिए भी वनों के संरक्षण की नितांत आवश्यकता है। इतना ही नहीं, शस्य-श्यामला भूमि को बंजर होने से बचाने, भू-क्षरण, पर्वत-स्खलन आदि को रोकने में भी वन-संरक्षण अनिवार्य होता है। वन प्राकृतिक सुषमा के घर हैं। इन्हीं वनों में अनेक वन्य प्राणियों को आश्रय मिलता है।

हमारे देश में तो वृक्षों को पूजने की परंपरा है। हमारी संस्कृति में वृक्षारोपण पुण्य का कार्य माना जाता है तथा किसी फलदार अथवा हरे-भरे वृक्ष को काटना पाप। पुराणों के अनुसार एक वृक्ष लगाने से उतना ही पुण्य मिलता है जितना दस गुणवान पुत्रों का यश। खेद का विषय है कि आज हम वन-संरक्षण के प्रति न केवल उदासीन हो गए हैं वरन् उनकी अंधाधुंध कटाई करके स्वयं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं जिससे प्रकृति का संतुलन बिगड़ गया है।

36. गद्यांश में लेखक ने पुण्य का कार्य किसे बताया है ?

(A) वनों के भू-क्षरण को (B) प्रकृति के अनुपम उपहार को

(C) वन संरक्षण को (D) वृक्षारोपण को

37. गद्यांश में 'शस्य-श्यामला' विशेषण का प्रयोग किसके लिए हुआ है ?

(A) भूमि के लिए (B) वन संरक्षित भूमि के लिए

(C) बंजर भूमि के लिए (D) पर्वतीय भूमि के लिए

38. गद्यांश में प्रयुक्त 'वन-संरक्षण' से अभिप्राय है–

(A) वनों की रक्षा करना

(B) नये-नये व्यावसायिक वृक्ष लगाना

(C) वनों को धीमे-धीमे काटना

(D) वनों को धीमे-धीमे काटने से बचाना

39. गद्यांश में प्रयुक्त मुहावरे 'अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना' का उपयुक्त अर्थ है–

(A) खुद से अपने लिए संकट पैदा करना

(B) खुद से अपने लिए अवसर पैदा करना

(C) स्वयं अपने पैर को क्षतिग्रस्त कर लेना

(D) स्वयं अपने को अंधेरे में रखना

40. गद्यांश के आधार पर निम्नोक्त में से कौन-सा कथन असत्य है ?

(A) वनों से प्राकृतिक तथा पर्यावरण संतुलन बना रहता है

(B) वन प्राकृतिक सुषमा के घर हैं

(C) वन प्रकृति का अनुपम उपहार हैं।

(D) एक वृक्ष लगाने से उतना ही यश प्राप्त होता है जितना दस गुणवान पुत्रों का पुण्य

(9)

पर्यटन मनोरंजक और शैक्षिक दोनों ही होता है। इसे सदा ही शिक्षा का महत्वपूर्ण अंग माना गया है। यूरोप में किसी नवयुवक को तभी पूर्ण शिक्षित माना जाता है जब वह यूरोप के बहुत से देशों में भ्रमण कर चुका हो। प्राचीन भारत में भी हमारे ऋषि पर्यटन के महान मूल्य को समझते थे। उन्होंने इसे सबका पवित्र कार्य बना दिया कि वे भारत के विभिन्न भागों में स्थित तीर्थ स्थानों में घूमें। इससे भारतीयों में एकता की भावना को प्रोत्साहन मिला।

41. यदि कोई वास्तविक शिक्षा पाना चाहे, तो उसके लिए _______ करना महत्वपूर्ण है।

(A) अध्ययन (B) कार्य (C) पर्यटन (D) ध्यान

42. निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द 'मनोरंजक' का समानार्थी है ?

(A) शैक्षिक (B) मनभावन

(C) थकाने वाला (D) दृश्यावलोकन

43. _______ स्थानों की यात्रा करना प्राचीन भारत में पवित्र समझा जाता था।

(A) प्रशिक्षण (B) तीर्थ (C) शहरी (D) व्यापारिक

44. लोग यदि अधिक _______ करें, तो उन्हें दूसरों के साथ एकता का अनुभव होता है।

(A) पर्यटन (B) बातचीत (C) खेल (D) प्रश्न

45. ऋषि वह व्यक्ति है जो _______ होता है

(A) विद्वान (B) चतुर (C) स्वतंत्र (D) धूर्त

(10)

भारत तीर्थ यात्रियों और तीर्थ यात्राओं का देश है। ये पवित्र स्थान, चाहे पहाड़ों पर या मैदानों में, सामान्यतया या तो नदियों के तटों पर स्थित हैं या समुद्र के तटों पर। इन तीर्थस्थलों पर जाने वाले केवल धार्मिक लोग ही नहीं होते, वरन सारे भारत से और विदेशों से पर्यटक और सैर-सपाटे वाले लोग भी यहाँ आते हैं। जहाँ कहीं दो या अधिक नदियाँ मिलती हैं, तीर्थयात्री वहाँ स्नान और पूजा करते हैं, क्योंकि माना जाता है कि वह स्थान पवित्र होता है। ऐसा ही एक स्थान हरिद्वार है जो गंगा नदी के तट पर स्थित है।

46. पवित्र स्थानों पर जाने वाले लोग होते हैं धार्मिक, सैर-सपाटा करने वाले और —

(A) बच्चे (B) पर्यटक (C) व्यापारी (D) समुद्री यात्री

47. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द 'सामान्यतया' का पर्यायवाची है ?

(A) आमतौर पर (B) सार्वजनिक रूप से

(C) कभी.कभी (D) परिणामस्वरूप

48. उस स्थान को 'पवित्र' माना जाता है, जहाँ दो या आधिक नदियाँ मिलती हैं। इस कथन में शब्द 'पवित्र' का विलोम है—

(A) ईश्वरीय (B) धार्मिक (C) अपावन (D) धर्मनिष्ठ

49. लोग गंगा नदी में स्नान और पूजा के लिए आते हैं, क्योंकि इसका जल है—

(A) पवित्र (B) साफ और स्वच्छ

(C) शीतल (D) स्वास्थ्यवर्धक

50. लोग तीर्थयात्रा पर जाते हैं, क्योंकि वे _______होते हैं।

(A) उत्सुक (B) धार्मिक (C) खोजी (D) वृद्ध

(11)

तुलसी का पौधा अधिकांश भारतीय घरों में उगाया जाता है। इस बूटी से मधुर गन्ध आती है। इस पौधे की पत्तियों का उपयोग पूजा के लिए होता है और उनमें औषधीय तथा रोगहारी गुण होते हैं। विश्व में तुलसी के कम-से-कम 150 प्रकार हैं।

प्राचीन काल में मन्दिरों का उपयोग पथिकों के विश्रामगृह के रूप में होता था। तुलसी का पौधा मन्दिर के बाहर उगाया जाता था, क्योंकि इसमें प्यास रोकने का विशेष गुण होता है, जब कुछ पत्तियाँ जीभ के नीचे रखी जाएँ, तो थके हुए पथिक, जो पानी ढूँढ रहे होते हैं, उनकी प्यास कम हो जाती है। तुलसी, जिसका मूल निवास भारत है, 16वीं शताब्दी में पश्चिमी यूरोप पहुँची। यह माना जाता है कि यदि तुलसी के पत्तों का रस शहद के साथ नित्य लिया जाए, तो स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। चाय के लिए पानी उबालते समय यदि कुछ तुलसी की पत्तियाँ मिला दी जाएँ, तो इसमें विशेष गन्ध और स्वाद आ जाता है और यह स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है। यह आराम भी पहुँचाती है और तनाव दूर करती है।

51. तुलसी के बारे में निम्नलिखित में से कौन–सा सत्य नहीं है ?

(A) यह सुगन्ध देती है

(B) यह तनाव दूर करती है

(C) यह स्वास्थ्य के लिए अच्छी है

(D) इसका मूल स्थान पश्चिमी यूरोप में है।

52. विश्व में तुलसी की कितनी किस्में हैं ?

(A) 100 (B) 170 (C) 150 (D) 160

53. तुलसी के पौधे को मन्दिरों के बाहर क्यों उगाया जाता था ?

(A) पथिकों की प्यास नियन्त्रित करने के लिए

(B) पथिकों को थकान का अनुभव कराने के लिए

(C) मन्दिर के चारों ओर खुशबू फैलाने के लिए

(D) ईश्वर की पूजा करने के लिए

54. तुसली का मूल निवास किस देश में है ?

(A) इंग्लैण्ड (B) भारत (C) चीन (D) इटली

55. शहद और तुलसी का मिश्रण

(A) स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है

(B) स्वास्थ्य के लिए हितकर है

(C) हमारे लिए थोड़ा–सा हानिकारक है

(D) स्वास्थ्य के लिए थोड़ा–सा लाभदायक है

(12)

राष्ट्रीय संग्रहालय, दिल्ली में मोटे शीशे के पीछे प्रदर्शित विश्व में सबसे प्रसिद्ध नर्तकी को अनदेखा नहीं किया जा सकता। मोहनजोदड़ो की नृत्य करती लड़की कांस्य की बनी दुर्लभ कलाकृति है। हमारी स्कूली पाठ्य-पुस्तकें भी हमारी 5000 वर्ष प्राचीन विरासत के बारे में बताती हैं।

उसके बाएँ ऊपरी बाजू से लेकर उंगलियों तक सीप, हाथी दाँत या पतली धातु की बहुत सी चूड़ियाँ अलंकृत करती हैं। आधुनिक कला का नमूना एक साथ तीन पेंडेंट वाला हार है और उसके दाएँ हाथ में कोहनी के ऊपर तथा कलाई पर कुछ चूड़ियाँ हैं। वह निर्भीक मानवीय आत्मा का प्रदर्शन है और यह हमें याद दिलाती है कि हमारी इंद्रियों पर किसी कलाकृति का क्या प्रभाव पड़ता है।

56. 'नृत्य करती लड़की' को मोटे शीशे के पीछे बंद किया गया है, क्योंकि __________ ।

(A) यह दुर्लभ कलाकृति है

(B) वह बहुत प्रसिद्ध नर्तकी है

(C) इसे मूल्यवान रत्नों से सजाया गया है

(D) वह निर्भीक है

57. 'पेंडेंट' __________ का भाग है।

(A) चूड़ियाँ (B) हार

(C) कलाईबंध (D) कोहनी पर पहने कड़ों

58. कथन (i) और (ii) पढ़िए और दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(i) उसकी चूड़ियाँ सीप या पतली धातु से बनी हैं।

(ii) उसने हाथी दाँत से बना हार पहना है।

(A) (i) सत्य है, किंतु (ii) असत्य है।

(B) (ii) सत्य है, किंतु (i) असत्य है।

(C) (i) और (ii) दोनों सत्य हैं।

(D) (i) और (ii) दोनों असत्य हैं।

59. कौन-सा शब्द 'निर्भीक' का पर्याय नहीं है ?

(A) डरपोक (B) निडर (C) बहादुर (D) साहसी

60. 'कलाकृति' शब्द का अर्थ है __________ ।

(A) कला के बारे में तथ्य

(B) मनुष्य द्वारा बनाए गए कला के नमूने

(C) जमीन से खोदी वस्तुएँ

(D) कांस्य की मूर्तियाँ

(13)

कचरा पर्यावरण के लिए बहुत बड़ा संकट है। इससे बीमारियाँ पैदा होती हैं। फेंके जाने वाले कूड़े में बहुत-सी ऐसी वस्तुएँ होती हैं, जिनका पुनःचक्रण हो सकता है और फिर से काम में लाई जा सकती हैं; जैसे—कागज, धातुएँ, काँच जिन्हें निकटतम पुनःचक्रण केंद्र भेजा जा सकता है या कबाड़ी को दिया जा सकता है। इसमें जैविक पदार्थ भी होते हैं; जैसे पत्तियाँ, जो मिट्टी का उपजाऊपन बढ़ा सकती हैं। किसी सुविधाजनक स्थान पर कंपोस्ट का गड्ढा बनाकर वहाँ बीच-बीच में मिट्टी की परतें और पानी का छिड़काव किया जाना चाहिए। इससे वह आसानी से सड़ जाएगा और मूल्यवान उर्वरक बन जाएगा। इससे उस प्रदूषण को भी रोका जा सकेगा, जो प्रायः ऐसे जैविक कचरे को जलाने से होता है।

61. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'संकट' का समानार्थी है?

(A) कूड़ा (B) खतरा (C) कचरा (D) निपटाना

62. निम्नलिखित में से किस पदार्थ का पुनःचक्रण नहीं हो सकता?

(A) कागज (B) काँच (C) धातु (D) प्लास्टिक

63. निम्नलिखित में से कौन-सा कंपोस्ट का गड्ढा बनाने का लाभ नहीं है?

(A) इससे प्रदूषण रुकता है।

(B) कंपोस्ट गड्ढे में पत्तियाँ मिट्टी को उपजाऊ बना सकती हैं।

(C) इससे हमारे आस–पास सुंदरता बढ़ती है।

(D) इससे मूल्यवान उर्वरक बनता है।

64. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'मूल्यवान' का विपरीतार्थक है?

(A) संपन्न (B) व्यर्थ (C) जैविक (D) निपटाया गया

65. पुनः चक्रण केंद्र में निपटाई गई सामग्री का क्या होता है?

(A) इसे फेंक दिया जाता है।

(B) इसे पुनःप्रयोग के लिए तैयार किया जाता है।

(C) इसे कूड़ा उठाने वालों को बेच दिया जाता है।

(D) इसे जमीन में गाड़ दिया जाता है।

(14)

पृथ्वी शायद ब्रह्माण्ड में अकेला ग्रह है जहाँ पर जीवन है, किन्तु जब पृथ्वी का निर्माण हुआ, तो यहाँ कोई जीवन न था। एक कारण तो यह था, कि यहाँ बहुत गर्मी थी और कोई गैस नहीं थी, किन्तु करोड़ों वर्षों के बाद, जब ग्रह ठण्डा हुआ, तो महासागरों में पानी भर गया और गैसें बनीं। शीघ्र ही पृथ्वी की स्थितियाँ जीवित रहने के लिए अनुकूल हो गईं। पृथ्वी जीवन के लिए क्यों अनुकूल है, इसके अनेक कारण हैं। पहला, यह सूर्य से सही दूरी पर है जिससे न अधिक गर्म होती है न अधिक ठण्डी, दूसरा, पृथ्वी के चारों ओर गैसों की उपस्थिति सूर्य की हानिकारक किरणों को पृथ्वी तक पहुँचने से रोकती है। एक और महत्वपूर्ण कारण है जल, जो सभी जीवधारियों के जीवित रहने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

66. जब पृथ्वी बनी, तो इस पर जीवन नहीं था, क्योंकि—

(A) यह बहुत गर्म थी

(B) यह बहुत ठण्डी थी

(C) यहाँ बहुत हानिकारक गैसें थीं

(D) यह पानी से ढकी थी

67. जीवधारियों के जीवित रहने के लिए जरूरी स्थिति/स्थितियाँ है/हैं—

(A) गर्मी और गैसें (B) जल से भरे महासागर

(C) सूर्य से बहुत दूरी (D) जल और गैसों की परतें

68. पृथ्वी के बहुत गर्म या बहुत ठण्डी होने से बचने का कारण है—

(A) केवल सूर्य से सही दूरी

(B) केवल पृथ्वी से लिपटी गैसों की परत

(C) पृथ्वी पर जल की उपस्थिति

(D) सूर्य से सही दूरी और पृथ्वी से लिपटी गैसों की परत

69. गद्यांश में वह शब्द कौन-सा है, जो 'प्रतिकूल' का विलोम है?

(A) महत्वपूर्ण (B) अनुकूल (C) उपस्थिति (D) हानिकारक

70. पृथ्वी के चारों ओर की गैसें—

(A) पृथ्वी से सही दूरी बनाए रखती हैं

(B) सागरों को पानी से भरती हैं

(C) सूर्य की हानिकारक किरणों को पृथ्वी तक आने से रोकती हैं

(D) पृथ्वी की सतह को ठण्डा रखती हैं

(15)

प्राचीन काल में मनुष्य के पास पक्षियों को मारने के लिए धनुष–बाण भी नहीं होते थे। इसलिए वह उनके झुण्ड पर तीखे पत्थरों से निशाना लगाता था या वह पक्षियों को दानों से आकर्षित करता और उनके ऊपर जाल डाल देता था। कभी–कभी वह मुट्ठी भर दाने जमीन पर फेंक देता और कुछ खूँटे गाड़ देता जिन पर पेड़ों से इकट्ठा की हुई गोंद लगी होती, फिर वह इन्तजार करता कि पेड़ों से पक्षी उतरकर नीचे आएँ और उन खूँटों से चिपक जाएँ। यह पक्षियों को फँसाने का बड़ा क्रूर तरीका था।

71. प्राचीन काल का मनुष्य पक्षियों को मारने के लिए किसका उपयोग नहीं करता था?

(A) धनुष–बाण का (B) बीज और वृक्षों का

(C) चिपकने वाली खूँटियों का (D) तीखे पत्थरों का

72. वे पक्षियों को आकर्षित करने के लिए उन्हें दिखाते थे—

(A) गोंद (B) बीज (C) जाल (D) पत्थर

73. गोंद इकट्ठा की जाती थी—

(A) लोगों से (B) पौधों से (C) पेड़ों से (D) पशुओं से

74. पक्षियों को फँसाने का सबसे क्रूर तरीका था—

(A) उन्हें पत्थर से मारना

(B) उनके ऊपर जाल डाल देना

(C) मारने के लिए उन्हें बीज दिखाना

(D) उन्हें गोंद लगी खूँटियों से चिपकाना

75. 'प्राचीन' शब्द का विपरीतार्थ है—

(A) आधुनिक (B) आजकल (C) हाल का (D) अभी–अभी

(16)

शाहजहाँ ने 'ताजमहल' को अपनी बेगम मुमताजमहल की यादगार में बनवाया। वह मुमताजमहल को बहुत प्यार करता था। एक बार मुमताज बहुत बीमार पड़ गई और उसके बचने की कोई आशा नहीं रही। उस समय उसने अपने पति से कहा, "मेरे मरने पर आप ऐसा मकबरा बनवाएँ, जिसके समान संसार में और कोई न हो।" शाहजहाँ ने उसे वचन दे दिया। यही है वह मकबरा, जिसे शाहजहाँ ने अपनी बेगम की याद में बनवाया था।

76. "उसने अपने पति से कहा" वाक्य में पति कहा गया है—

(A) ताजमहल को (B) मुमताजमहल को

(C) शाहजहाँ को (D) मकबरे को

77. शाहजहाँ ने ताजमहल बनवाया—

(A) मुमताजमहल को प्यार करने का कारण

(B) मुमताजमहल के बीमार पड़ने के कारण

(C) मुमताजमहल के मरने के कारण

(D) मुमताजमहल के सुन्दर होने के कारण

78. किसके बचने की आशा न रही?

(A) ताजमहल के (B) मुमताज के

(C) शाहजहाँ के (D) पति के

79. "बेगम" का अर्थ होता है—

(A) यादगार (B) वचन (C) पति (D) पत्नी

80. ताजमहल नाम है—

(A) यादगार का (B) मकबरे का

(C) वचन (D) बेगम का

(17)

खानाबदोश लोगों का ऐसा समूह है, जो अपने घरों को गिराकर दूसरे नए स्थानों पर हर साल चले जाते हैं। अधिकांश खानाबदोशों के समूह रेगिस्तान में अपने घर बना लेते हैं। जहाँ जल के स्रोत कुछ समय के बाद सूख जाते हैं। वे अस्थायी टेंट बनाकर रहते हैं, जो मजबूत होते हैं फिर भी आसानी से अलग किए जा सकते हैं। जब चलने का समय आता है, तो वे अपने सभी सामानों को ऊँटों पर रख लेते हैं और नए स्थान की तलाश में निकल जाते हैं।

वे लंबे-चौड़े रेगिस्तान में रास्ता खोज लेते हैं, रात में तारों और ग्रहों की सहायता से और दिन में पैरों के निशान देखकर।

आदिम जीवन शैली होने के बावजूद इनके समुदायों में अधिक्रमिक वर्ग संरचना विद्यमान है। ऊँट संपन्नता का प्रतीक माने जाते हैं। अधिक्रमिक संरचना का आधार यह होता है कि किसके पास ऊँटों की संख्या कितनी है।

ऐसा लग सकता है कि खानाबदोशों का जीवन शहर के जीवन की जटिलताओं से रहित है। लेकिन वे अपने जीवन में अनेक समस्याओं से घिरे होते हैं।

81. खानाबदोश नए स्थान पर क्यों चले जाते हैं?

(A) उन्हें यात्रा करना पसंद है।

(B) वे टेंटों में रहते हैं, जिन्हें आसानी से समेटा जा सकता है।

(C) वे प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर करते हैं, जो शीघ्र समाप्त हो जाते हैं।

(D) उनके ऊँटों को चलने की आदत होती है।

82. कौन-सा विशेषण खानाबदोशों के घरों की ठीक से व्याख्या कर सकता है?

(A) अस्थायी (B) टेंट (C) मजबूत (D) बालुई

83. अधिक्रमिक वर्ग संरचना ____________ पर आधारित है।

(A) परिवार के आकार (B) टेंटों की संख्या

(C) ऊँटों की संख्या (D) कार्य की मात्रा

84. किसी विशिष्ट दिशा का पता लगाने के लिए खानाबदोशों को किससे सहायता मिलती है?

(A) नक्शे (B) ऊँट

(C) जनजाति के वृद्ध व्यक्ति (D) तारे और ग्रह

85. 'घिरे होना' शब्द का अभिप्राय है—

(A) द्वारा प्रभावित (B) के साथ जुड़ी

(C) हल की हुई (D) खतरे वाली

(18)

मनुष्य अनुकरणशील प्राणी है। अतः आसपास के लोगों से एवं सहचरों से कर्म सीखता है। किसी मनुष्य की प्रकृति क्या है, उसके स्वाभाविक गुण क्या हैं, उसका नैतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक चरित्र कैसा है, जिस विषय में उसकी अभिरुचि है, इन सभी बातों का ज्ञान हमें उसकी संगति से होता है। किसी महापुरुष का कथन है कि यदि किसी को मित्र एवं सुहृदय बनाना हो तो उसके सहचरों को देखना चाहिए। अतः उसके संगी तथा, मित्र कौन हैं, इससे ही उसका परिचय मिलता है। सुसंगति एक ऐसी पारसमणि है, जो लोहे को भी सोना बनाने की क्षमता रखती है। चन्दन के समीप रहने से आसपास के वृक्ष भी सुगंधित हो जाते हैं। दूध के साथ पानी भी उसी मूल्य में बिकता है। जल की बूँद यदि गर्म तवे पर पड़े तो वह तत्क्षण मिट जाएगी। यदि संयोग से यही बूँद सीप के मुख में गिरे तो वह उज्ज्वलमणि बनेगी। यही सत्संग की महत्ता है।

86. मनुष्य अपने अधिकतर कर्म कहाँ से सीखता है?

(A) प्रकृति से (B) समाज से

(C) अपने व्यवहार से (D) अपने जीवन से

87. मनुष्य कैसा प्राणी है—

(A) आध्यात्मिक (B) नैतिक

(C) अनुकरणशील (D) ज्ञानी

88. सुसंगति पारसमणि के समान क्यों हैं?

(A) क्योंकि इससे बुरा भी अच्छा बन जाता है

(B) यह लोहे को सोना बना देती है

(C) इससे व्यक्ति ज्ञानवान बनता है

(D) यह व्यक्ति को समृद्ध बना देती है

89. महापुरुष किस समास का उदाहरण है?

(A) अव्ययीभाव समास (B) तत्पुरुष समास

(C) कर्मधारय समास (D) द्विगु समास

90. 'सहचर' का क्या अर्थ है?

(A) साथ चलने/रहने वाला (B) साथ काम करने वाला

(C) साथ पढ़ने वाला (D) साथ खाने वाला

(19)

साँप रेंगने वाले कहे जाने वाले प्राणियों की श्रेणी में आते हैं। इस समूह में मगरमच्छ, छिपकलियाँ और कछुओं को भी शामिल किया जाता है। साँप वनों, मरुस्थलों और झीलों आदि सभी जगह पाए जाते हैं। वे साल भर बर्फ से ढके रहने वाले स्थानों में जीवित नहीं रह सकते हैं। साँपों की दृष्टि बहुत कमजोर होती है। क्षति से बचने और भोजन पाने के लिए वे अन्य इंद्रियों का उपयोग करते हैं। कुछ साँप अपनी नाक से सूँघते हैं पर अधिकतर वे जीभ से सूँघते हैं। साँप का शरीर कोशिकाओं की परतों से बनी शल्कों से ढका रहता है। वर्ष में कई बार साँप अपनी मृत चमड़ी की बाहरी परत छोड़ देता है। उसके नीचे की कोशिकाएँ तुरंत बाहरी परत का निर्माण कर देती हैं, जो साँप की सुरक्षा करती हैं।

91. साँपों को ______ कहा जाता है।

(A) छिपकली (B) शल्क

(C) रेंगने वाला (D) कछुआ

92. साँप कहाँ जीवित नहीं रह सकते हैं ?

(A) बर्फ से जमे स्थानों (B) मरुस्थलों

(C) वनों (D) झीलों

93. साँपों का/की ______ कमजोर होता/होती है।

(A) सूँघने का बोध (B) सुनना

(C) स्पर्श–बोध (D) दृष्टि

94. ______ साँप को चोट लगने से बचाता/बचाती है।

(A) जीभ (B) शल्क

(C) मृत चमड़ी (D) नाक

95. 'जीवित रहना' शब्द का अभिप्राय ______ है।

(A) जीना (B) चलना

(C) पलायन करना (D) संबंधित होना

(20)

दीपक उत्साहित था। वह अपने चाचाजी और चचेरे भाई-बहन प्रीता और रिया के साथ रविवार को पिकनिक पर जा रहा था। उसने अपने तैराकी के सामान, नाश्ता और खेलने के सामान को अपने एक पिट्ठू बैग में रख लिया। वे सुबह छः बजे चल दिए। बहुत दूर तक गाड़ी चलाने के बाद वे पिकनिक के स्थान पर सुबह नौ बजे पहुँच गए। उस गाँव में एक फार्महाउस था। उन्होंने गाँव के चारों ओर घूमकर धान के खेत देखे और जाना कि चावल कैसे उगाया जाता है। वे पेड़ों पर चढ़े और आम तथा अमरूद तोड़े। दोपहर को एक पेड़ के नीचे बैठकर उन्होंने दोपहर का भोजन किया। जब चाचाजी ने कहा कि अब घर लौटने का समय है, तो वे और देर तक ठहरना चाहते थे, क्योंकि उन्हें गाँव बहुत अच्छा लगा।

96. 'उत्साहित' शब्द का अर्थ है—

(A) विश्वस्त (B) बहुत प्रसन्न

(C) व्यस्त (D) निराश

97. दीपक और उसके चचेरे भाई-बहन ______।

(A) गाँव में ऊब गए (B) ने पिकनिक का आनंद लिया

(C) घर वापस आना चाहते थे (D) पेड़ों पर न चढ़ सके

98. दीपक अपने ______ के साथ पिकनिक पर गया।

(A) माता-पिता (B) चाचाजी और चचेरे भाई-बहन

(C) मित्रों (D) बहन

99. पिकनिक का स्थान एक ______ में था।

(A) पार्क (B) समुद्र–तट

(C) गाँव (D) तरण–ताल

100. चाचाजी ने दीपक को दिखाया कि कैसे ______।

(A) हम खाते हैं (B) तैरते हैं

(C) गाड़ी चलाते हैं (D) चावल उगाते हैं

(21)

क्या आपने रस्सा-कशी खेल खेला है? यह एक रोचक खेल है। रस्सा-कशी का खेल खेलने के लिए आपको कुछ खुली जगह, एक लंबी एवं मजबूत रस्सी और खिलाड़ियों की दो टीमों की आवश्यकता होती है। खेल तभी रोचक होगा जब दोनों टीमें बराबर मजबूत होंगी। दोनों टीमों के बीच एक रेखा खींच दी जाती है। जो टीम खींची जाती है और बीच की रेखा पार करने को बाध्य कर दी जाती है, खेल हार जाती है। टीम के सबसे शक्तिशाली सदस्य को चाहिए कि वह रस्सी के अंतिम छोर को मजबूती से पकड़े रहे और टीम को संगठित होकर रस्सी को खींचना चाहिए। खेलने के स्थान से पत्थरों को साफ कर देना चाहिए। अन्यथा उनसे चोट लग सकती है।

101. रस्सा-कशी है ______।

(A) एक युद्ध (B) एक रस्सी (C) एक खेल (D) एक लड़ाई

102. 'रस्सा-कशी' में हम ________।

(A) मुक्केबाजी करते हैं (B) छुपा–छुपी करते हैं

(C) रस्सी खींचते हैं (D) बल्लेबाजी और गेंदबाजी करते हैं

103. रस्सी के अंतिम छोर को पकड़ने वाला टीम का _________ सदस्य होता है।

(A) सबसे लम्बा (B) सबसे छोटा

(C) सबसे शक्तिशाली (D) सबसे युवा

104. टीम, जो बीच की रेखा के पार खींच ली जाती है, _________।

(A) विजयी होती है (B) हार जाती है

(C) सफल होती है (D) को दूसरा अवसर दिया जाता है

105. 'संगठित' शब्द का अर्थ है—

(A) साथ–साथ (B) लड़ाई

(C) खींचना (D) विजयी होना

(22)

शरीर का भार कम करने या स्वस्थ भार बनाए रखने के लिए केवल दो साधारण नियम हैं। वे हैं, कम वसा और शर्करा वाला संतुलित भोजन करना और अधिक व्यायाम करना। भार कम करने के लिए आपको भूखे रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। यदि आप चीनी, केक, बिस्कुट कम लें तथा अधिक फल और सब्जियाँ खाएँ और पर्याप्त पानी पिएँ, तो आपका भार कम हो जाएगा और आप अधिक स्वस्थ हो जाओगे। प्रतिदिन सैर के लिए जाएँ या साइकिल चलाएँ। टेलीविजन देखने या वीडियो गेम्स खेलने के स्थान पर अधिक सक्रिय रहें।

106. हम स्वस्थ कैसे रह सकते हैं?

(A) केवल बिस्कुट खाकर

(B) केवल व्यायाम करके

(C) संतुलित भोजन खाकर और व्यायाम करके

(D) अधिक फल खाकर

107. भार कम करने के लिए हमें क्या अधिक खाना चाहिए?

(A) चीनी और केक (B) फल और सब्जियाँ

(C) बिस्कुट और चीनी (D) बिस्कुट और फल

108. स्वस्थ रहने के लिए हमें क्या अधिक पीना चाहिए?

(A) कोला पेय (B) फलों का रस

(C) पानी (D) सब्जियों का रस

109. कौन–सा व्यायाम सबके लिए अच्छा है?

(A) सैर करना और साइकिल चलाना

(B) पतंग उड़ाना

(C) वीडियो गेम्स खेलना

(D) टेलीविजन देखना

110. 'सक्रिय' शब्द का विलोम शब्द क्या है?

(A) सुस्त (B) निष्क्रिय (C) इच्छुक (D) ऊर्जावान

(23)

प्रतिवर्ष करोड़ों रुपयों और असंख्य जीवनों की हानि के लिए आग को दोष दिया जाता है। अग्निशमनकर्ता चोट और हानि से लोगों की और उनकी संपत्ति की रक्षा करने में सहायक होते हैं। उन्हें जब भी कोई सूचना मिलती है, हर बार वे अपनी जान हथेली पर लेकर प्रस्तुत रहते हैं। जब भी काम पर हों, तो अग्निशमनकर्ता को किसी भी आपदा के घटित होने पर कुछ ही मिनटों में तैयार होकर प्रस्तुत होना होता है। प्रत्येक अग्निकांड के स्थल पर एक वरिष्ठ अधिकारी नियंत्रण संभालता है और घटनास्थल पर मौजूद सभी लोगों को काम का आदेश देता है। कुछ अग्निशमनकर्ता होज़ पाइप को पानी के नलकों से जोड़ते हैं।

अन्य लोग होज़ों तक पानी भेजने के लिए हाथों से पंप चलाते हैं। अग्निशमनकर्ताओं के दल ऊँची जगहों तक पहुँचने के लिए सीढ़ियों का उपयोग भी करते हैं।

111. अग्निशमनकर्ता के बारे में क्या सत्य नहीं है ?

(A) वे बहादुर होते हैं।

(B) वे प्रायः अपने जीवन को खतरे में डालते हैं।

(C) वे अपने जीवन पर कभी कोई संकट नहीं आने देते।

(D) उन्हें उच्च प्रशिक्षण मिला होता है।

112. किसी अग्निशमनकर्ता को आग बुझाने के लिए तैयार होना पड़ता है—

(A) मिनटों में (B) घंटों में (C) दिनों में (D) सप्ताहों में

113. अग्निशमनकर्ता 'जान हथेली पर लेकर' प्रस्तुत रहते हैं—का अर्थ है—

(A) वे एक पंक्ति में खड़े रहते हैं

(B) वे आग बुझाते हैं

(C) वे अपना जीवन संकट में डालते हैं

(D) वे पंप से होज़ पाइप को जोड़ते हैं

114. 'अपने हाथों से चलाने' से आशय है—

(A) किसी व्यक्ति से काम लेना

(B) अपने हाथों से काम करना

(C) किसी मशीन का उपयोग करना

(D) अपने शरीर का उपयोग करना

115. 'घटित होना' का अर्थ वही है जो .... का है–

(A) आना (B) होना (C) बुलाना (D) आग लगाना

(24)

हेमा अपने बिस्तर पर लेटी अपने कमरे की छत पर लगे तारों को एकटक देख रही थी। वह खिन्न थी, क्योंकि कोई भी कपड़ा उस पर फिट नहीं लग रहा था। उसने उन्हें एक–एक कर दुबारा पहना, किन्तु वे या तो बहुत तंग थे या छोटे। एक अलमारी कपड़ों से भरी हुई किन्तु वह उनमें से एक भी नहीं पहन सकती। तब उसे एक विचार आया, उसकी आँखों में चमक आ गई, वह माँ के कमरे की ओर भागी। उसने कहा, ''माँ मुझे नए कपड़े चाहिए, किन्तु तभी जब मैं अपने सारे पुराने कपड़े दान कर दूँ। अब अधिक कपड़े संग्रह करने की आवश्यकता नहीं।'' उसकी माँ मुस्कराई और उसे गले से लगा लिया। उसकी लड़की दयालु थी।

116. हेमा अपने बिस्तर पर लेटी थी, क्योंकि वह–

(A) थक गई थी।

(B) तारे देखना पंसद करती थी।

(C) सोच रही थी कि क्या पहना जाए।

(D) आलसी लड़की थी।

117. वह कोई भी कपड़ा नहीं पहन सकी क्योंकि–

(A) वे फैशन के अनुसार नहीं थे।

(B) वे बहुत रंगीन थे।

(C) उसे पता नहीं था कि क्या पहनना है।

(D) कपड़े उसे फिट नहीं बैठे।

118. 'संग्रह' का समानार्थक शब्द है–

(A) इकट्ठा करना (B) बाँटना

(C) साझा करना (D) उपहार देना

119. हेमा है–

(A) लालची (B) दानी (C) स्वार्थी (D) कृपण

120. 'दान करना' का विपरीतार्थक है–

(A) सौंपना (B) लेना (C) बाँटना (D) खर्च करना

(25)

अगर आप किसी अनोखे शहर की यात्रा करना चाहते हैं, तो अपनी कमर कस लीजिए और चले आइए कोलकाता। यहाँ की भव्यता देखकर आप दाँतों तले अंगुलियाँ दबा लेंगे। आज का कोलकाता आधुनिक भारत के इतिहास की कई गाथाएँ अपने आप में समेटे हुए है। यह नगर भारत के शैक्षिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तनों का प्रारम्भिक केन्द्र था। इस शहर को 'पूर्वी भारत का प्रवेश द्वार', 'महलों का शहर' और 'आनन्द का शहर' भी कहा जाता है। यह रेलमार्गों, वायुमार्गों तथा सड़क मार्गों द्वारा देश के विभिन्न भागों से जुड़ा हुआ है। यह देश का प्रमुख शिक्षा केन्द्र, औद्योगिक केन्द्र तथा व्यापार का केन्द्र है। अजायबघर, चिड़ियाखाना, विरला तारामण्डल, हावड़ा पुल, कालीघाट, फोर्ट विलियम, विक्टोरिया मेमोरियल, विज्ञान नगरी आदि यहाँ के मुख्य दर्शनीय स्थान हैं। कोलकाता के निकट हुगली नदी के दोनों किनारों पर भारतवर्ष के प्रायः अधिकांश जूट के कारखाने अवस्थित हैं। इसके अलावा मोटरगाड़ी तैयार करने का कारखाना, सूती-वस्त्र उद्योग, कागज-उद्योग, विभिन्न प्रकार के इंजीनियरिंग उद्योग, जूता तैयार करने का कारखाना, होजरी उद्योग एवं चाय विक्रय केन्द्र आदि भी अवस्थित हैं। पूर्वांचल एवं सम्पूर्ण भारतवर्ष के प्रमुख वाणिज्यिक केन्द्र के रूप में कोलकाता का अधिक महत्व है।

आधिकारिक रूप से इस शहर का नाम कलकत्ता 1 जनवरी, 2001 को रखा गया। इसका पूर्व नाम अंग्रेजी में 'कोलकटा' लेकिन बंग्ला भाषी इसे कोलकाता या कोलिकाता के नाम से ही जानते हैं एवं हिंदी भाषा समुदाय में यह कलकत्ता के नाम से जाना जाता रहा है। 1690 ई. में ईस्ट इण्डिया कम्पनी के अधिकारी 'जॉब चारनाक' ने अपनी कम्पनी के व्यापारियों के लिए एक बस्ती बसाई थी। 1698 ई. में ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने एक स्थानीय जमींदार परिवार से तीन गाँव-सूतानुटि, कोलिकाता और गोबिन्दपुर पट्टे पर लिया। अगले साल कम्पनी ने इन तीन गाँवों को विकास प्रेसिडेन्सी सिटी के रूप में करना शुरू किया। वर्ष 1912 तक कोलकाता भारत की राजधानी बनी रही। कोलकाता में जन यातायात के प्रमुख साधन हैं–उपनगरीय रेलवे, मेट्रो, ट्राम और बसें। इनका जाल सुदूर उपनगरीय क्षेत्रों तक फैला हुआ है। कोलकाता मेट्रो भारत में सबसे पुरानी भूमिगत यातायात प्रणाली है। यहाँ के अधिकांश लोगों द्वारा बसों को प्राथमिक तौर पर यातायात के लिए प्रयोग किया जाता है। यहाँ सरकारी एवं निजी ऑपरेटरों द्वारा बसें संचालित हैं। भारत में कोलकाता एकमात्र शहर है, जहां ट्राम सेवा उपलब्ध है।

121. 'कोलकाता' शहर किन तीनों गाँवों को मिलाकर बसाया गया?

(A) सूतापुर, केलकटा और गोबिन्दपुर

(B) सूतापुर, कोलिकाता और गोबिन्दगंज

(C) सूतानुटि, कोलिकाता और गोबिन्दपुर

(D) सूतानुटि, कलकत्ता और गोबिन्दपुर

122. इनमें से कोलकाता शहर को क्या नहीं कहा जाता है?

(A) पूर्वी भारत का प्रवेश द्वार (B) महलों का शहर

(C) आनन्द का शहर (D) बंगालियों का शहर

123. 'कोलकाता मेट्रो भारत में सबसे पुरानी भूमीगत यातायात प्रणाली है।' – इस वाक्य में किस शब्द में गलत मात्रा/मात्राओं का प्रयोग हुआ है?

(A) पुरानी (B) भूमीगत (C) प्रणाली (D) यातायात

124. 'अजायबघर, चिड़ियाखाना, बिरला तारामण्डल, हावड़ा पुल, कालीघाट, फोर्ट विलियम, विक्टोरिया मेमोरियल, विज्ञान नगरी आदि मुख्य दर्शनीय स्थान हैं।' इस वाक्य में कौन-कौन से शब्द जातिवाचक संज्ञा के उदाहरण हैं?

(A) चिड़ियाखाना और बिरला तारामण्डल

(B) बिरला तारामण्डल और हावड़ा पुल

(C) अजायबघर और चिड़ियाखाना

(D) कालीघाट और फोर्ट विलियम

125. उपरोक्त गद्यांश में 'दाँतों तले अंगुलियाँ दबाना' मुहावरे का अर्थ है–

(A) अपनी अंगुलियों को दाँत से काटना

(B) आश्चर्यचकित हो जाना

(C) अति प्रसन्न हो जाना

(D) भ्रम में पड़ जाना

(26)

सभी मकड़ियाँ जाले बुनती हैं, जिनसे उन्हें तीन कामों में सहायता मिलती है। जालों से मकड़ियों को अण्डे सँभालने में, छिपाने में और भोजन पकड़ने में मदद मिलती है। बहुत–सी मकड़ियाँ अपने जालों में अण्डे देना पसन्द करती हैं, जिसमें उनके अण्डे एक साथ और सुरक्षित रहते हैं। जाले चिपचिपे होते हैं और इस प्रकार वे भोजन पकड़ने में मकड़ियों की सहायता करते हैं। जब कोई कीट जाले में उड़कर आता है, तो फँस जाता है, इधर–उधर हिलता है, बाहर निकलने का प्रयत्न करता है पर ऐसा कर नहीं सकता, क्योंकि वह फँस गया होता है। मकड़ी जान लेती है कि कीट फँस गया है, क्योंकि उन्हें जाले के हिलने का अनुभव होता है और मकड़ी कीट तक पहुँच जाती है।

जालों के बिना मकड़ी वैसे नहीं रह पाती जैसे वह रहती है। मकड़ियों को जीवित रहने के लिए जाले चाहिए, किन्तु यदि आपको अपने घर में जाले न मिलें, तो इनका यह अर्थ नहीं कि आपका घर मकड़ियों से मुक्त है।

126. यह अनुच्छेद मुख्य रूप से किसके बारे में है ?

(A) मकड़ी के रंग (B) मकड़ी के जाले
(C) मकड़ी के अण्डे (D) मकड़ी के खाद्य पदार्थ

127. मकड़ी के जाले सहायक नहीं होते—

(A) अण्डों को थामने में (B) भोजन को पकड़ने में
(C) अण्डों को बचाने में (D) कीटों को डराने में

128. मकड़ियाँ कैसे जान लेती हैं कि उनके जाले में शिकार फँस गया ?

(A) वे उसे सुनती हैं (B) वे उसे सूँघती हैं
(C) वे उसका अनुभव करती हैं (D) वे उसे देखती हैं

129. घर में मकड़ी का जाला न मिलने का यह अर्थ नहीं है कि—

(A) मकड़ी को अब भूख नहीं है
(B) मकड़ी बाहर निकलने से डर रही है
(C) मकड़ी सो गई है
(D) मकड़ी है ही नहीं

130. यहाँ 'जीवित रहना' का अर्थ है—

(A) स्वीकारना (B) देखना (C) सोचना (D) जीना

(27)

जब फास्ट फूड खाने की बात हो, तो बच्चे ललचाते हैं। इसे बनाने में कम समय लगता है और बाजारों में भी यह सरलता से मिल जाता है। बच्चे फल, सूप या अंकुरित वस्तुएँ खाने के बदले फास्ट फूड खाना पसन्द करते हैं। नूडल, बर्गर और पिज्जा की बड़ी माँग है। यद्यपि ये बनाने में बड़े आसान हैं, फिर भी ये हमारे लिए हानिकारक है। इनमें हमारे शरीर के लिए अच्छी पोषण उपयोगिता नहीं होती।

बहुत से शोधकर्ताओं ने सिद्ध किया है कि इन खाद्य पदार्थों का उपयोग स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है। इन्हें तेल में तलकर पकाया जाता है जो स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डाल सकता है। इससे हम मोटे हो सकते हैं। मोटापे से मधुमेह और उच्च रक्तचाप हो सकते हैं। जो बच्चे अधिकतर फास्ट फूड खाते हैं, उन्हें जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ हो सकती हैं; जैसे—मधुमेह और उच्च रक्तचाप। उनका विकास उन बच्चों की अपेक्षा अधिक प्रभावित होगा, जो पौष्टिक भोजन करते हैं। लोग पश्चिमी सभ्यता का अनुकरण कर रहे हैं और घर पर बने खाने के स्थान पर फास्ट फूड को वरीयता दे रहे हैं। यह पश्चिमी सभ्यता को अपनाने के गम्भीर दुष्प्रभावों में से एक है।

131. फास्ट फूड किसी के स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित कर सकता है ?

(A) जीवन–शैली में बदलाव लाकर
(B) मोटापे का कारण बनकर
(C) हमें अच्छा स्वास्थ्य देकर
(D) पश्चिमी सभ्यता को प्रोत्साहन देकर

132. हमें फास्ट फूड संस्कृति को क्यों बढ़ावा नहीं देना चाहिए ?

(A) फास्ट फूड स्वादिष्ट होता है
(B) यह आसानी से उपलब्ध है
(C) यह हमारी जीवनशैली बदल देता है
(D) यह हमारे स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है

133. अनुच्छेद में किस शब्द का अर्थ 'नकल करना' है ?

(A) अनुकरण करना (B) तुलना करना
(C) कार्य करना (D) अपनाना

134. फास्ट फूड से हो सकता/सकती है—

(A) अनिद्रा (B) जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ
(C) जेब पर भार (D) सामाजिक स्तर में हानि

135. घर पर बना खाना ______ होता है।

(A) पोषक नहीं
(B) फास्ट फूड से अच्छा नहीं
(C) फास्ट फूड की अपेक्षा अधिक पौष्टिक
(D) न तो पौष्टिक, न ही स्वादिष्ट

(28)

भारतीय डॉल्फिन अब एक संकटापन्न प्रजाति है। एक समय ये गंगा, ब्रह्मपुत्र और महानदी में प्रचुरता से पाई जाती थी, अब इनकी संख्या बहुत घट गई है। अब यह कहा जाता है कि गंगा और ब्रह्मपुत्र में वे लगभग 5000 की संख्या में पाई जाती हैं। ये अन्य डॉल्फिनों से भिन्न है। ये दिखने में अंधी लगती हैं, परन्तु उनकी इस क्षति की पूर्ति एक अनोखे ढंग से ही होती है। उनकी श्रवणेन्द्रिय बहुत ही विशेष ढंग से परिष्कृत है और इस प्रकार वे ध्वनि के आधार पर ही पानी में मार्ग निर्देशन कर सकती है। इसकी खोपड़ी पर एक असामान्य–सा कप की आकृति का शीर्ष, ध्वनि को निर्देशित कर गूँज की स्थिति पता करता है। यह इस स्तनपायी पशु को सूक्ष्म वस्तुओं को पहचानने और उनमें अन्तर करने में सक्षम बनाता है। उदाहरण के तौर पर एक डॉल्फिन किसी जीवित मछली और मृत मछली में, यहाँ तक कि मृत मछली और नकली मछली में अन्तर पहचान सकती है।

136. डॉल्फिन दृष्टिहीन होती हैं फिर भी अपना मार्ग निर्देशित कर लेने में समर्थ हैं। इसका कारण है—

(A) वे पदार्थों पर ध्यान केन्द्रित करती हैं।
(B) रास्ता ढूँढ़ने में प्रकृति उनकी सहायता करती है।
(C) उनके पास सुनने का एक विशेष तरीका होता है।
(D) उनके पास चीजों को पहचानने की शक्ति है।

137. 'मृत' शब्द का विलोम है—

(A) नकली (B) परिष्कृत (C) जीवित (D) भिन्न

138. अवतरण में प्रयोग के अनुसार 'मार्ग निर्देशन' का अर्थ है–

(A) समूह को आगे ले जाना (B) आगे बढ़ना या चलना

(C) मार्ग न ढूँढ़ पाना (D) जहाज से यात्रा करना

139. डॉल्फिन की श्रवण शक्ति के बहुत अधिक विकसित होने का प्रमाण है–

(A) यह नदी में चल सकती है

(B) यह तैरकर आर–पार जाती है

(C) यह अपने स्वामी को पहचानती है

(D) यह जीवित और मृत मछली को पहचान सकती है

140. इस अवतरण का उपयुक्त शीर्षक होगा–

(A) नदी की मछली (B) दुर्लभ डॉल्फिनें

(C) भारतीय डॉल्फिनें (D) अंधी डॉल्फिनें

(29)

भूरा भालू एक सर्वभक्षी पशु है। इसका अर्थ है कि वह पौधों और पशु दोनों का भोजन करता है, क्योंकि वह अपने आवास क्षेत्र का प्रधान पशु है, वह बड़े पशुओं का भी शिकार कर सकता है। फिर भी आमतौर पर छोटों का ही भोजन करता है, जो भी भोजन भूरा भालू करता है, उसका बड़ा पेट भरने के लिए उसकी मात्रा बहुत अधिक होती है। अक्सर इसका भोजन छोटी मात्राओं में प्राप्त होता है, इसलिए भोजन की खोज कभी समाप्त नहीं होती है। बसंत ऋतु में भूरे भालू घास, पत्तियाँ, जड़ें तथा काई खाते हैं। अक्सर चींटियों, भृंगों, झींगुरों और दूसरे कीटों की तलाश में वे छोटे पत्थरों और बड़ी चट्टानों को भी पलट देते हैं।

141. भूरा भालू खाता है–

(A) पौधे और पशु दोनों (B) केवल बड़े पशु

(C) केवल बहुत छोटे पशु (D) केवल पत्तियाँ और काई

142. यह बड़े पशुओं का शिकार भी कर सकता है–

(A) क्योंकि इसका आकार बड़ा होता है

(B) क्योंकि वे आसानी से मिल जाते हैं

(C) प्रधान पशु होने के कारण

(D) क्योंकि उनसे अधिक भोजन मिलता है

143. भूरे भालू..........ऋतु में प्रायः घास, पत्तियाँ, जड़ें, आदि खाते हैं–

(A) वर्षा (B) बसंत (C) शीत (D) ग्रीष्म

144. वे चट्टानों के नीचे से.........को नहीं खाते–

(A) पौधों (B) काई (C) भृंग (D) कीट

145. सर्वभक्षी' वह है जो–

(A) केवल पौधे खाता है

(B) केवल कीट खाता है

(C) पशु और पौधे दोनों खाता है

(D) केवल पशु खाता है

(30)

15 जनवरी सन् 1939 की रात का समय सदैव याद रहेगा। सुभाष बाबू की आँखों में कलकत्ता जेल से भाग निकलने का दृढ़ निश्चय साफ दिखाई दे रहा था। आज इन्होंने अपने रोज पहनने के वस्त्रों के स्थान पर पठानी पायजामा, अचकन और पम्प शू पहन रखे थे। सिर पर तुर्की टोपी और चेहरे पर लम्बी दाढ़ी बढ़ाए हुए वह बिलकुल मौलवी लग रहे थे। इस भेष में उन्हें पहचान लेना किसी के लिए भी कठिन कार्य था।

निश्चित समय पर दूसरी गली में एक कार आकर रुकी और सुभाष बाबू पुलिस की आँखों में धूल झोंकते हुए उसमें जा बैठे। उस कार से वह कलकत्ता से चालीस मील दूर गमोह नामक स्टेशन पर पहुँच गये। गमोह से पहले ही किसी मौलवी के नाम पर पेशावर के लिए पंजाब में आरक्षण कर दिया गया था।

146. 15 जनवरी सन् 1939 की तारीख क्यों याद रहेगी?

(A) सुभाष बाबू रात के समय कलकत्ता जेल से भागने में समर्थ हुए थे।

(B) उस रात उन्होंने कलकत्ता जेल को छोड़ने का निश्चय किया था।

(C) उस रात वह पूरी नींद चैन से सोये थे।

(D) उस दिन उन्होंने आजाद हिन्द फौज की स्थापना का संकल्प किया था।

147. गद्यांश में 'आँखों में धूल झोंकना मुहावरे का अर्थ है–

(A) अति प्रसन्न हो जाना (B) भ्रम में पड़ जाना

(C) साफ न दिखना (D) धोखा देना

148. सुभाष बाबू ने दाढ़ी क्यों बढ़ाई थी?

(A) धीरे–धीरे उनके वास्तविक रूप को भूल जाएँ

(B) क्योंकि उन्हें एक दिन मौलवी के रूप में भागना था

(C) जिससे वे आसानी से पहचाने न जा सकें

(D) केवल नया प्रयोग करने के लिए

149. जेल से निकलकर सुभाष बाबू सीधे कहाँ पहुँचे?

(A) एक गाँव में (B) कलकत्ता के बाहर की सीमा पर

(C) पेशावर (D) गमोह स्टेशन

150. इस गद्यांश का शीर्षक होगा–

(A) सुभाष बाबू का कलकत्ता

(B) सुभाष बाबू की जेल से रिहाई

(C) सुभाष बाबू का जेल से पलायन

(D) सुभाष बाबू का चमत्कार

(31)

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का जीवन देश–प्रेम का एक आदर्श उदाहरण है। उन्होंने सारा जीवन देश के लिए बिताया और देश के लिए ही मृत्यु को स्वीकार किया। उनके व्यक्तित्व में स्वाभिमान, दृढ़ निश्चय और नेतृत्व गुण का अद्भुत योग था। उनकी गिनती कांग्रेस के सबसे बड़े नेताओं में होती थी। सन् 1939 में वह दूसरी बार कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गये, परन्तु महात्मा गांधी से मतभेद होने के कारण उन्होंने कांग्रेस से त्याग–पत्र दे दिया। सुभाष बाबू ने एक नये कांग्रेस दल की स्थापना की तथा उसका नाम रखा 'फॉरवर्ड ब्लॉक'। इस दल ने थोड़े से समय में ही सारे देश में प्रसिद्धि प्राप्त कर ली। सुभाष बाबू की लोकप्रियता से घबराकर सरकार ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इसी समय दूसरा विश्वयुद्ध आरम्भ हो गया। सुभाष बाबू ने भारत को स्वतंत्र कराने के लिए इस अवसर का उपयोग करने का निश्चय किया। उन्होंने जेल में भूख हड़ताल कर दी। सरकार इससे इतनी भयभीत हो गई कि उसने सुभाष बाबू को जेल से रिहा कर दिया।

151. सुभाष बाबू कौन थे?

(A) कांग्रेस के एक बहुत बड़े नेता

(B) कांग्रेस के अध्यक्ष

(C) आदर्श देश–प्रेम के उदाहरण

(D) उपर्युक्त सभी

152. सुभाष बाबू ने कांग्रेस क्यों छोड़ी?

(A) देश को आजाद कराने के लिए

(B) द्वितीय विश्वयुद्ध का लाभ उठाने के लिए

(C) महात्मा गाँधी से मतभेद होने के कारण

(D) भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे दमन–चक्र से डरकर

153. सरकार ने सुभाष बाबू को जेल से छोड़ दिया–

(A) उनको अपने पक्ष में करने के लिए

(B) उनके द्वारा की जाने वाली भूख हड़ताल से भयभीत होकर

(C) वह कहीं जेल में मृत्यु को प्राप्त न हो जाएं

(D) वह महात्मा गाँधी से अपनी हार का बदला ले सकें

154. सुभाष बाबू ने किस दल की स्थापना की ?

(A) कांग्रेस सेवा दल (B) भारतीय स्वतंत्रता–संग्राम दल

(C) भारतीय जनता दल (D) फारवर्ड ब्लॉक

155. महात्मा शब्द में कौन-सा समास है?

(A) अव्ययीभाव समास (B) तत्पुरुष समास

(C) कर्मधारय समास (D) बहुव्रीहि समास

(32)

केला पीले रंग का एक फल है जो गर्म जलवायु में होता है। कभी–कभी इसे 'पूर्ण फल' कहा जाता है, क्योंकि इसे धोना नहीं पड़ता और इसे ले जाना आसान होता है। इसका छिलका उतारना सरल है। केले माँसपेशियों के लिए अच्छे होते हैं। स्वादिष्ट व्यंजन बनाने के लिए सिरियल, आइसक्रीम या पीनट बटर सैंडविच के साथ कुछ केले मिला लीजिए। केला सुबह के नाश्ते के लिए भी श्रेष्ठ है।

गर्म जलवायु में उगने वाले पीले फलों का दूसरा उदाहरण है–पाइनऐपल, पाइनऐपल बड़े रसीले और मीठे होते हैं। जब इन्हें पिज्ज़ा, आइसक्रीम या केक आदि अन्य व्यंजनों में मिलाया जाता है, तो इनका स्वाद अद्भुत हो जाता है। पाइनऐपल को इधर–उधर ले जाना बहुत आसान नहीं है, क्योंकि ये बड़े होते हैं इनका छिलका कँटीला होता है और इन्हें छीलना कठिन होता है। चूँकि पाइनऐपल के छिलके को खाया नहीं जाता, इसलिए खाने से पूर्व इसे धोना आवश्यक नहीं है।

156. केले और पाइनऐपल एक-से हैं, क्योंकि–

(A) दोनों रसभरे होते हैं

(B) इन्हें ले जाना आसान होता है

(C) दोनों गर्म जलवायु में उगते हैं

(D) इनके छिलके नर्म होते हैं

157. खाने से पहले पाइनऐपल को धोना आवश्यक नहीं, क्योंकि–

(A) यह गंदा नहीं होता

(B) इसका छिलका उतारना आसान है

(C) हम बाहरी छिलका नहीं खाते

(D) यह रसीला फल है

158. निम्नलिखित में से किस कथन में एक राय निहित है?

(A) पाइनऐपल का स्वाद अनोखा होता है

(B) केला पीले रंग का एक फल है

(C) पाइनऐपल का छिलका कँटीला होता है

(D) केलों को 'पूर्ण फल' कहा जाता है

159. पाइनऐपल _________ फल है।

(A) छोटा और पीला (B) बड़ा और कँटीला

(C) बड़ा और हरा (D) कँटीला और छोटा

160. इस गद्यांश में 'स्वादिष्ट' शब्द का अर्थ है–

(A) बेस्वाद (B) सुस्वाद (C) ठीक-ठाक (D) आनन्ददायक

(33)

किसी कुत्ते के सामने रोटी का एक टुकड़ा फेंक दीजिए वह उसे उठाकर चला जाएगा, आपकी ओर देखेगा भी नहीं। इसके विपरीत यदि आप कुत्ते को पास बुलाएँ, उसके सिर पर हाथ फेरें और तब उसे खाने को कुछ दें, तो वह बड़े प्रेम से पूँछ हिलाएगा और आपके कार्य के लिए शायद मन ही मन आभार प्रकट करेगा। एक पशु भी मनुष्य के व्यवहार को समझता है। यदि आप अच्छे काम भी ठीक व्यवहार के साथ नहीं करेंगे, तो उनसे लाभ उठाने वालों के चेहरों पर धन्यवाद सूचक मुस्कराहट भी न झलकेगी। उनके मन में किसी तरह की खुशी नहीं होगी। हम दूसरों की भलाई करते हैं, पर अक्सर भलाई करने का ढंग हमें मालूम नहीं होता।

161. 'उठाना' का विपरीतार्थक होगा–

(A) चिपकना (B) उड़ाना

(C) लात मारना (D) फेंकना

162. दूसरों की सहायता करने वाले को कहते हैं–

(A) काम वाली (B) सहायक

(C) मास्टर (D) कुत्ता

163. कोई कुत्ता रोटी का टुकड़ा उठाकर भी हमारी ओर नहीं देखता, क्योंकि–

(A) वह हमसे डरता है

(B) वह हमें काट सकता है

(C) उसके चेहरे पर प्यार नहीं होता

(D) हम प्यार नहीं दिखाते

164. कुत्ते अपनी पूँछ क्यों हिलाते हैं?

(A) प्यार जताने के लिए (B) क्रोध जताने के लिए

(C) कर्तव्य समझकर (D) विश्वास जताने के लिए

165. अच्छे काम किए जाने चाहिए–

(A) शान्तिपूर्ण तरीके से (B) उचित तरीके से

(C) अजनबी लोगों के प्रति (D) सभी पशुओं के प्रति

(34)

चाय के दो प्रमुख प्रकार हैं। उनमें से एक है हरी चाय जो चुनने के बाद तुरन्त और पूरी तरह सुखा दी जाती है। इसका रंग हल्का हरा होता है और इसमें हल्की खुशबू होती है। यह मुख्यतः चीन और जापान में लोकप्रिय है। काली

चाय रंग में कुछ गाढ़ी होती है और गंध में कुछ तीखी। यह यूरोप में बहुत लोकप्रिय है। इसकी पत्तियाँ केवल अल्पांश में सुखाई जाती हैं। उसके बाद उन्हें रॉलिंग मशीनों में डाला जाता है जिससे चाय की पत्ती के सेल टूट जाते हैं। इससे प्राकृतिक रस बाहर निकल आता है जो इसे विशेष स्वाद प्रदान करता है। इस प्रक्रिया से पत्तियाँ भी मुड़ जाती हैं। रॉलिंग के बाद पत्तियों को नम वातावरण में फैला दिया जाता है और उन्हें किण्वन के लिए छोड़ दिया जाता है। जिससे वे चमकदार ताँबई रंग की हो जाती हैं। किण्वन के बाद पत्तियों को सूखी हवा में सुखाया जाता है और हमारी प्रिय काली चाय बन जाती है।

166. जब रॉलिंग मशीनें पत्तियों का प्राकृतिक रस निकालती हैं, तो पत्तियाँ कैसी हो जाती हैं?

(A) स्वाद हल्का और रंग हरा हो जाता है

(B) स्वाद विशेष हो जाता है और पत्तियाँ मुड़ जाती हैं

(C) स्वाद तेज हो जाता है, लेकिन कोई रंग नहीं आता

(D) स्वाद और रंग अच्छा हो जाता है

167. "इससे प्राकृतिक रस बाहर निकल आता है जो इसे विशेष स्वाद प्रदान करता है।" प्राकृतिक का विलोम शब्द है—

(A) तेज (B) हल्का (C) विशेष (D) कृत्रिम

168. किण्वन से पत्तियाँ हो जाती हैं—

(A) चमकदार और स्वादिष्ट

(B) खुशबूदार और चमकदार

(C) चमकीली और ताँबे के रंग की

(D) चमकीली और काली

169. अधिकांश यूरोपियनों को _________ पसंद है।

(A) हरी चाय (B) पीली चाय

(C) काली चाय (D) अंग्रेजी चाय

170. चीन और जापान में मुख्यतः प्रचलित चाय में होता है—

(A) तेज गंध (B) चमकीली ताँबई रंग

(C) गहरा काला रंग (D) हल्का हरा रंग

(35)

मरुस्थलों में बहुत-सा पशु जीवन है। रात में रेगिस्तानी छिपकलियाँ अपने छिद्रों से बाहर निकलती हैं। अनेक प्रकार के जहरीले साँप, बिच्छू, लोमड़ियाँ और कीड़े-मकोड़े और पक्षी प्राप्त होते हैं। सहारा, अरब और थार के मरुस्थलों में अपना सामान एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में ऊँटों का उपयोग स्थानीय लोगों के द्वारा किया जाता है। ऊँट, जिसे 'मरुस्थल का जहाज' भी कहा जाता है, बालू में मीलों चल सकता है। इसकी आँखों की बरौनियाँ लम्बी होती हैं और यह अपनी नाक के छिद्रों को बन्द रख सकता है। इससे यह रेत से अपनी आँखों और नाक को बचा सकता है। इसके पैर सपाट और गद्‌देदार होते हैं और पीठ पर एक या दो कूबड़ होते हैं। ऊँट एक बार में अनेक लीटर पानी पी सकता है और उसके बाद एक सप्ताह से अधिक दिनों तक बिना पानी के चल सकता है। मरुस्थल के निवासियों के लिए ऊँट अपरिहार्य है।

171. अनुच्छेद में 'अपरिहार्य' शब्द का अर्थ है—

(A) अनावश्यक (B) महत्वपूर्ण

(C) सार्थक (D) आवश्यक

172. ऊँट अपनी नाक और आँखों को रेत से कैसे बचाता है?

(A) गद्‌देदार पैर होने से

(B) लम्बी बरौनियों और नाक बन्द रखने की क्षमता से

(C) पीठ पर एक या दो कूबड़ होने से

(D) हफ्तों तक बिना पानी के जीवित रहने से

173. इन अनुच्छेद के लिए सबसे उपयुक्त शीर्षक कौन-सा है?

(A) मरुस्थल में जीवन

(B) मरुस्थल में रात्रि-जीवन

(C) मरुस्थलों में ऊँट का उपयोग

(D) ऊँट-मरुस्थल का जहाज

174. रात में अपने छिद्रों से कौन–सा पशु बाहर निकलता है?

(A) जहरीले साँप (B) लोमड़ियाँ

(C) कीड़े-मकोड़े (D) रेगिस्तानी छिपकलियाँ

175. ऊँट एक सप्ताह से अधिक तक बिना पानी पीए चल सकता है, क्योंकि—

(A) यह रेत में मीलों चल सकता है

(B) इसके पैर गद्‌देदार होते हैं

(C) यह एक बार में अनेक लीटर पानी पी सकता है

(D) इसके एक या दो कूबड़ होते हैं

(36)

हरा रंग सुन्दर होता है। घास जिस पर हम टहलते हैं और पेड़ों के पत्ते जिनको हम प्रकृति में देखते हैं, प्रायः हरे रंग के ही होते हैं। बहुत–से पौधे भी हरे रंग के ही दिखाई देते हैं। क्या आप जानते हैं कि आप नीले और पीले रंग का मिश्रण करके हरा रंग बना सकते हैं? चूँकि आप दो मुख्य रंगों का मिश्रण करके हरा रंग बना सकते हैं, इसलिए इसे गौण रंग कहा जाता है। पृथ्वी को हानि न पहुँचाने वाले पदार्थों के निर्माण का वर्णन करने के लिए भी हरा नाम का प्रयोग किया जाता है। हरे उत्पाद प्रायः पुनः उपयोग में लाई जाने वाली सामग्री से बने होते हैं या उनसे जिन्हें कूड़े के रूप में फेंकना सुरक्षित होता है। हरा जीवन का अर्थ है पर्यावरण के अनुकूल जीवन–शैली अपनाना।

176. अनुच्छेद के अनुसार 'हरा' है—

(A) एक तेज रंग (B) एक गौण रंग

(C) एक मुख्य रंग (D) एक पादप

177. किन रंगों को मिलाने से हरा रंग बनता है?

(A) नीला और हरा (B) पीला और नारंगी

(C) पीला और नीला (D) नीला और बैंगनी

178. 'हरा जीवन' से तात्पर्य है—

(A) हरे कपड़े पहनना (B) घर को हरे रंग में रँगना

(C) पेड़ों को लगाना (D) पर्यावरण के अनुकूल जीवन–शैली

179. 'हरे उत्पाद' हैं—

(A) खतरनाक (B) पृथ्वी को बचाने वाले

(C) सरलता से उपलब्ध (D) महँगे

180. 'मुख्य' शब्द का विपरीतार्थ है—

(A) उच्च (B) गौण (C) मध्य (D) आधारभूत

(37)

हाथी घास, पत्तियाँ, जंगली फल और बाँस के कल्ले खाते हैं। वे बहुत सारा पानी पीते हैं। वे अपनी सूँड़ में पानी भरकर उसे अपने मुँह में उड़ेल देते हैं। वे दिन में कम-से-कम दो बार किसी नदी या झील में जाते हैं। उन्हें नहाना बहुत अच्छा लगता है। वे सूँड़ में पानी भर लेते हैं और उसे अपने शरीर पर बिखरा देते हैं। हाथियों के बारे में एक खास बात यह है कि वे दौड़ नहीं सकते। हाँ, ये तेज चल सकते हैं। इनकी चाल लगभग 13 किमी प्रति घंटा होती है। ये अपनी चाल 24 किमी प्रति घंटा तक बढ़ा सकते हैं। यद्यपि हाथी कूद नहीं सकता, पर यह तैर सकता है।

181. हाथियों को अच्छा लगता है—

(A) नहाना (B) खेलना (C) सोना (D) खाना

182. हाथी......... नहीं सकता।

(A) चल (B) दौड़ (C) मुड़ (D) बैठ

183. 'खास' शब्द का अर्थ है—

(A) विशेष (B) सामान्य (C) अनहोनी (D) असामान्य

184. हाथी क्या खाते हैं?

(A) चावल और रोटी (B) घास, पत्तियाँ और जंगली फल
(C) छोटे जीव (D) कीचड़ और पानी

185. हाथियों को क्या पीना पसंद है?

(A) कैंपाकोला (B) फलों का रस
(C) पानी (D) दूध

(38)

किसी राजा के राजमहल में एक बन्दर सेवक के रूप में रहता था। वह राजा का बहुत विश्वासपात्र और भक्त था।

एक दिन जब राजा सो रहा था और बंदर पंखा झल रहा था तो बन्दर ने देखा, एक मक्खी बार–बार राजा की छाती पर बैठ जाती थी। पंखे से बार–बार हटाने पर भी वह उड़कर फिर वहीं बैठ जाती थी।

बंदर को क्रोध आ गया। उसने पंखा छोड़कर हाथ में तलवार ले ली; और इस बार जब मक्खी राजा की छाती पर बैठी तो उसने पूरे बल से मक्खी पर तलवार चला दी। मक्खी तो उड़ गई, किन्तु राजा की छाती तलवार की चोट से दो टुकड़े हो गई। राजा मर गया। इसीलिए ''मूर्ख मित्र की अपेक्षा विद्वान शत्रु ज्यादा अच्छा होता है।''

186. बंदर कहाँ रहता था ?

(A) झोंपड़ी में (B) राजमहल में
(C) पेड़ पर (D) पहाड़ पर

187. बंदर का पर्यायवाची शब्द है—

(A) केसरी (B) कपि (C) गयंद (D) मनुज

188. मक्खी कहाँ बैठ जाती थी ?

(A) राजा की छाती पर (B) राजा के हाथ पर
(C) राजा के पैर पर (D) राजा के सिर पर

189. किसको क्रोध आ गया ?

(A) राजा को (B) माली को (C) बंदर को (D) दरबान को

190. किसकी छाती के दो टुकड़े हो गए ?

(A) मक्खी की (B) रानी की
(C) बंदर की (D) राजा की

(39)

मिथिला या मधुबनी चित्रकला मिथिलांचल क्षेत्र जैसे–बिहार के दरभंगा, मधुबनी एवं नेपाल के कुछ क्षेत्रों की प्रमुख चित्रकला है। प्रारंभ में रंगोली के रूप में रहने के बाद यह कला धीरे-धीरे आधुनिक रूप में कपड़ों, दीवारों एवं कागज पर उतर आई है। मिथिला की औरतों द्वारा शुरू की गई इस घरेलू चित्रकला को पुरुषों ने भी अपना लिया है। इस चित्रकला में खास तौर पर हिन्दू देवी-देवताओं की तस्वीरें, प्राकृतिक नजारे जैसे–सूर्य व चन्द्रमा, धार्मिक पेड़-पौधे, जैसे–तुलसी और विवाह के दृश्य देखने को मिलेंगे। मधुबनी चित्रकला दो तरह की होती हैं—भित्ति चित्र और अरिपन या अल्पना।

191. मधुबनी चित्रकला सम्बन्धित है—

(A) दरभंगा (B) मधुबनी (C) नेपाल (D) ये सभी

192. मधुबनी चित्रकला असली रूप में देखने को मिलती थी—

(A) कपड़े पर
(B) कागज पर
(C) मिट्टी से लीपी गई झोंपड़ियों में
(D) इनमें से कोई नहीं

193. 'चन्द्रमा' का पर्यायवाची शब्द है—

(A) व्योम (B) दिवाकर (C) शशि (D) मार्तंड

194. मिथिला चित्रकला होती है—

(A) दो तरह की (B) तीन तरह की
(C) चार तरह की (D) इनमें से कोई नहीं

195. प्राकृतिक नजारे का उदाहरण नहीं है—

(A) सूर्य व चन्द्रमा (B) नदी-सागर
(C) ऐतिहासिक इमारतें (D) पर्वत-पठार

❑❑